नन्नु ब्रोवु ललिता

रागम्: ललित ताळम्: मिश्रचापु

(श्री श्याम शास्त्रि विरचित)

पल्लवि

नन्नु ब्रोवु ललिता वेगमे
चालु निन्नु नेर नम्मियुन्न वाडुगदा भक्त कल्पकलता

अनुपल्लवि

निन्नुविना एवरुन्नारु गति जननी अतिवेगमे वच्चि

चरणम्

पराकुसेयकने वच्चि कृप सलुप रादा मोर विनवा
पराशक्ति गीर्वाणि वन्दितपदा नी भक्तुडनम्मा सन्ततमु ॥ १ ॥

सरोजभव कमलनाथ शङ्कर सुरेन्द्रनुत चरिता
पुराणि वाणि इन्द्राणि वन्दित राणि अहिभूषणुनि राणि ॥२ ॥

मदात्मुलैन दुरात्मजनुलनु कथलनु पोगडि -
सदा ने वराल चुट्टितिरिगिति वेतल नेल्लदीर्चि वरमोसगि ॥ ३ ॥

सुमेरु मध्य निलये श्यामकृष्णुनि सोदरि कौमारि
उमा श्री मीनाक्षम्मा शङ्करि ओ महाराज्ञि रक्षिञ्चुटकिदि समयमु ॥ ४ ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇